बच्चे काम पर जा रहे हैं

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» प्रकृति-परिवर्तन: मेघों के आने का काव्य-चित्र

प्रश्न 1 (आसान). कविता में 'गाती बयार चली' का संकेत किस परिवर्तन की ओर है?

उत्तर – हवा/बयार चलने और उसके सजीव महसूस होने की ओर।

प्रश्न 2 (आसान). 'मेघ झर-झर बरसने लगे' से वर्षा कैसी दिखाई देती है?

उत्तर – धीरे-धीरे धारों में, झर-झर करके।

प्रश्न 3 (मध्यम). 'क्षितिज पर बादल छा गए' को काव्य-चित्र की भाषा में कैसे लिखोगे?

उत्तर – आकाश में बादल दूर तक फैलकर क्षितिज तक छा गए।

प्रश्न 4 (कठिन). बिजली के संकेत 'बिजली चमकी' और 'तन-मन आभा से चमक उठा' को जोड़कर प्रकृति-परिवर्तन का भाव कैसे लिखोगे?

उत्तर – बिजली सिर्फ दृश्य नहीं–उसकी चमक का असर 'आभा' बनकर तन-मन तक महसूस हुआ, यानी प्रकृति की चमक का मानव-जीवन पर सीधा असर बताया गया।

» कविता की पंक्तियों से 'चित्र' बनाना

प्रश्न 5 (आसान). कविता में 'सुबह सुबह' पढ़कर तुम कौन-सा भाव/बात पकड़ोगे? (उत्तर लिखो)

उत्तर – यह रोज़-रोज़ होने वाली मजबूरी है–एक दिन का नहीं, लगातार चलने वाला दृश्य।

प्रश्न 6 (आसान). 'कोहरे से ढँकी सड़क' में तुम चित्र के लिए क्या लिखोगे?

उत्तर – धुंधली, ठंडी सड़क और धुंध/अंधेरा जैसा माहौल।

प्रश्न 7 (मध्यम). कविता की पंक्ति 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' को पढ़कर तुम अपने मन में जो दृश्य बनाते हो, 2-3 पंक्तियों में लिखो।

उत्तर – बहुत छोटे बच्चे काम की ओर झुके/जल्दी-जल्दी जाते दिखते हैं। उनके चेहरे पर खेलने की खुशी नहीं, काम की थकान और मजबूरी का भाव आता है। यह देखकर मन दुखता है कि उनके बचपन छिन रहा है।

प्रश्न 8 (कठिन). कवि कहता है 'हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह'–इस 'भयानकता' को चित्र बनाकर कैसे समझाओगे?

उत्तर – भयानकता सिर्फ सड़क या सुबह नहीं, बल्कि बच्चों के खेल और शिक्षा की जगह काम का रोज़ का होना है। चित्र में बच्चों की छोटी उम्र और उनके काम की तरफ जाने का विरोधाभास दिखता है–इसलिए मन भारी और डरावना महसूस करता है।

» विवरण नहीं, प्रश्न: 'काम पर क्यों…?' की शैली

प्रश्न 9 (आसान). 'बच्चे वंचित हैं'–इसे 'काम पर क्यों…?' की तरह प्रश्न-शैली में लिखो (एक पंक्ति)।

उत्तर – सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं?

प्रश्न 10 (आसान). 'सब देखते रहते हैं, फिर भी कुछ नहीं होता।'–इसे 'क्यों' से प्रश्न बनाओ।

उत्तर – बच्चों को काम पर जाते देखकर भी हम उदासीन क्यों हो जाते हैं?

प्रश्न 11 (मध्यम). 'बाल श्रम रोकना जरूरी है'–इसे सवाल की शैली में बदलो ताकि कारण और जिम्मेदारी सामने आए।
उत्तर – बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए, और उन्हें क्या मिलने चाहिए?

प्रश्न 12 (कठिन). एक ही विचार को 'विवरण' और 'प्रश्न' में लिखो: "बच्चों का काम पर जाना हादसे जैसा है।" दोनों वाक्य बनाओ।
उत्तर – विवरण: "बच्चों का काम पर जाना एक बड़े हादसे के समान है।" प्रश्न: "बच्चों का काम पर जाना धरा/धरती के लिए बड़े हादसे जैसा क्यों है?"

» बाल श्रम की सामाजिक-आर्थिक विडंबना

प्रश्न 13 (आसान). 'बाल श्रम की विडंबना' में बच्चे किस-किस चीज़ से वंचित होते हैं?
उत्तर – खेल, शिक्षा और जीवन की उमंग से

प्रश्न 14 (आसान). कवि बाल श्रम की बात को 'विवरण की तरह' क्यों नहीं रखना चाहता?
उत्तर – क्योंकि 'क्यों' वाला सवाल जिम्मेदारी और कारण खोजने को मजबूर करता है

प्रश्न 15 (मध्यम). सुविधा-वंचना का मतलब इस संदर्भ में क्या होगा?
उत्तर – स्कूल/किताबें/खेल जैसी जरूरतें और सहूलियतें न मिलना

प्रश्न 16 (मध्यम). अवसरों का अभाव बाल श्रम को कैसे बढ़ाता है?
उत्तर – जब पढ़ाई और आगे बढ़ने के मौके नहीं मिलते, तो बच्चा काम में फँस जाता है

प्रश्न 17 (कठिन). 'उदासीनता' को कविता के संदेश से जोड़कर समझाइए कि यह 'सामाजिक विडंबना' क्यों बनती है।
उत्तर – जब समाज/व्यवस्था छोटे बच्चों के काम को रोज़मर्रा की बात मान लेती है, तब जिम्मेदारी नहीं उठती। ऐसे में गरीब/असहाय बच्चों की जरूरतें पूरा करना प्राथमिकता नहीं बनता, और उनकी पीड़ा लंबे समय तक चलती रहती है–इसीलिए यह सामाजिक विडंबना बन जाती है।

» उदासीनता के कारण: 'दैनिक दृश्य' का सामान्य हो जाना

प्रश्न 18 (आसान). 'दैनिक दृश्य' सामान्य हो जाना उदासीनता का कौन-सा कारण है?
उत्तर – रोज़ देखने की आदत बनना, जिससे वह घटना अटपटा नहीं लगती।

प्रश्न 19 (आसान). लोग अक्सर जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते?
उत्तर – वे सोच लेते हैं कि यह दूसरों/घर की मजबूरी है, हमारा काम नहीं।

प्रश्न 20 (मध्यम). अगर लोग रोज़ बाल श्रम देखते रहें, तो उनकी भावनात्मक प्रतिक्रिया समय के साथ कैसे बदल सकती है?
उत्तर – लगातार देखने से सुन्नता आ सकती है और संवेदनशीलता कम हो जाती है।

प्रश्न 21 (कठिन). कविता के सवाल–'इस उदासीनता के क्या कारण हो सकते हैं?'–का उत्तर देते हुए तीन कारण लिखिए और साथ में बताइए इनसे समाज पर क्या असर पड़ता है।
उत्तर – तीन कारण: (1) आदत/दैनिक दृश्य सामान्य हो जाना, (2) जिम्मेदारी से दूरी–'मजबूरी है' कहकर खुद को अलग रखना, (3) भावनात्मक सुन्नता। असर: नैतिक संवेदनशीलता घटती है, बच्चे खेल/शिक्षा से वंचित रहते हैं और बाल श्रम जारी रहने का रास्ता मिलता है।

» बाल श्रम को 'हादसा' मानना और समाधान की कल्पना

प्रश्न 22 (आसान). कविता 'काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?' सवाल क्यों बनाती है?
उत्तर – ताकि हम इसे सामान्य विवरण की तरह न लें; कारण/जिम्मेदारी पर सोचें और बदलाव की जरूरत समझें।

प्रश्न 23 (आसान). बाल श्रम को 'हादसा' मानने का मतलब क्या है?
उत्तर – बच्चे के अधिकार छिनने वाला अन्याय–जिसे देखकर आंखें बंद नहीं करनी चाहिए।

प्रश्न 24 (मध्यम). समाधान की कल्पना करते समय बच्चों को कौन-से अवसर मिलने चाहिए?
उत्तर – खेल, पढ़ाई, सुरक्षा और समान अवसर।

प्रश्न 25 (कठिन). लोग रोज़ बच्चों को काम करता देखकर भी अटपटा नहीं मानते। कवि की 'हादसा' वाली समझ इससे कैसे टकराती है?
उत्तर – कवि कहता है इसे सामान्य आदत न बनाओ; इसे भयानक/हादसा समझो और सवाल उठाओ–तभी नैतिक संवेदना जागेगी और समाज बदलाव की कोशिश करेगा।

» संवाद-आधारित समझ और 'वर्तमान युग' पर वाद-विवाद

प्रश्न 26 (आसान). संवाद-आधारित समझ का पहला काम क्या है?
उत्तर – कामकाजी बच्चे से बात करके जानना कि वह अपने काम को किस भाव से लेता है।

प्रश्न 27 (आसान). वाद-विवाद का विषय क्या है?
उत्तर – 'वर्तमान युग में सभी बच्चों के लिए खेलकूद और शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हैं।'

प्रश्न 28 (मध्यम). जब कामकाजी बच्चा अपने उम्र के बच्चों को खेलने/पढ़ने जाते देखता है, तो हमें वाद-विवाद में किस प्रकार की जानकारी इस्तेमाल करनी चाहिए?
उत्तर – उसके मन में आने वाली भावनाएँ–जैसे दुख/वंचना/मजबूरी–और यही अनुभव तर्क बनाकर।

प्रश्न 29 (कठिन). अगर कोई साथी कहे कि 'अभी सुधार हो रहे हैं, इसलिए समान अवसर हैं', तो आप संवाद के आधार पर क्या जवाब दे सकते हैं?
उत्तर – आप कहेंगे कि सुधार होने पर भी 'सभी बच्चे' तक अवसर पहुँच रहे हों तो ही दावा सही होगा; संवाद में अगर कामकाजी बच्चे को स्कूल/खेल नहीं मिल रहा, तो समान अवसर असल में अधूरे हैं।

» बाल श्रम रोकथाम: संविधान के अनुच्छेद 24 का संकेत

प्रश्न 30 (आसान). अनुच्छेद 24 में 14 साल से कम आयु के बच्चों के बारे में मुख्य नियम क्या है?
उत्तर – 14 साल से कम आयु के बच्चे को कारखाने/खान या अन्य परिसंकटमय नियोजन में नियोजित नहीं किया जाएगा।

प्रश्न 31 (आसान). अनुच्छेद 24 सिर्फ 'कारखाना/खान' तक ही सीमित है या कुछ और भी बताया गया है?
उत्तर – कारखाने/खान के साथ 'अन्य परिसंकटमय नियोजन' में भी रोक बताई गई है।

प्रश्न 32 (मध्यम). कविता के भाव को अधिकार से जोड़ते हुए एक लाइन में लिखिए–अनुच्छेद 24 क्या संकेत देता है?
उत्तर – कविता में जो पीड़ा दिखती है, उसके पीछे कानून का संकेत है कि 14 वर्ष से कम बच्चों को खतरनाक काम (कारखाना/खान/परिसंकटमय नियोजन) में नहीं लगाना चाहिए।

प्रश्न 33 (कठिन). यदि 15 साल का बच्चा हल्के काम में मदद करे, तो क्या अनुच्छेद 24 वाला '14 से कम' वाला संकेत सीधे लागू होगा? (संकेत लिखिए)
उत्तर – अनुच्छेद 24 का यह विशेष संकेत 14 वर्ष से कम आयु पर है, इसलिए '14 से कम' वाली शर्त पर सीधे लागू होने की बात नहीं बनती–फिर भी खतरनाक/परिसंकटमय काम या श्रम के नियम अन्य प्रावधानों के तहत देखे जाते हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. कविता में मेघों के आने पर प्रकृति में हुए परिवर्तनों को काव्य-चित्र के आधार पर लिखिए–हवा, वर्षा, बिजली और आकाशीय परिवर्तन के संकेतों सहित।

› हवा वाला संकेत ढूँढो: 'वर्षा के आगमन की खुशी में हवा बहने लगी' और 'गाती बयार चली' से प्रकृति का माहौल सक्रिय होता है।

› आकाशीय/दृश्य परिवर्तन पकड़ो: 'क्षितिज पर बादल छा गए' से बताओ कि क्षितिज तक बादल फैल गए।

› वर्षा का संकेत लिखो: 'मेघ झर-झर बरसने लगे' से बताओ कि बारिश धीरे-धीरे धारों में शुरू हुई।

› बिजली का संकेत जोड़ो: 'बिजली चमकी' और 'तन-मन आभा से चमक उठा' से बताओ कि बिजली से रोशनी/चमक का असर हुआ।

› अंत में 'संकेत + परिवर्तन' शैली में 4-5 पंक्तियाँ बनाओ।

उत्तर – कविता के काव्य-चित्र में मेघों के आने पर प्रकृति में ये परिवर्तन दिखते हैं: वर्षा के आगमन की खुशी से 'हवा बहने लगी', और 'गाती बयार चली'–अर्थात हवा में ऊर्जा और संगीत-जैसा एहसास है। क्षितिज पर 'बादल छा गए'–आकाश में छाया फैल गई। फिर 'मेघ झर-झर बरसने लगे'–बारिश धीरे-धीरे धारों में शुरू हुई। बिजली भी साथ चमकी–'बिजली चमकी' से 'तन-मन आभा से चमक उठा', यानी बिजली की रोशनी का असर मन और शरीर तक पहुँचा।

उदाहरण 2. कविता की पहली दो पंक्तियाँ ("कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं / सुबह सुबह") पढ़कर मन में जो चित्र उभरता है उसे लिखकर व्यक्त कीजिए।

› पहले जगह सोचो: कोहरे से ढँकी सड़क–सड़क धुंधली/ठंडी है।

› फिर समय सोचो: सुबह सुबह–यह रोज़ का नियमित दृश्य लगता है।

› अब बच्चे जोड़ो: बहुत छोटे बच्चे हैं, वे काम की तरफ जा रहे हैं, खेल की तरफ नहीं।

› फिर भाव लिखो: मन में डर/करुणा/भारीपन आता है कि बच्चों का बचपन छिन रहा है।

› अंत में एक या दो वाक्य बनाकर अपने शब्दों में 'दृश्य' पूरा करो।

उत्तर – कोहरे से ढँकी सड़क पर सुबह-सुबह बहुत छोटे बच्चे काम पर जाते दिखते हैं। धुंध के बीच उनका चलना जैसे रोज़ की मजबूरी हो–वे खेलने के लिए नहीं, काम के लिए निकल रहे हैं। यह दृश्य पढ़कर मन में डर और करुणा भर जाती है, क्योंकि बच्चों का बचपन ऐसे काम में बदलता हुआ दिखाई देता है।

उदाहरण 3. निम्न पंक्ति को 'विवरण' से 'प्रश्न' की शैली में बदलिए: "बच्चे हर दिन काम पर जाते हैं।"

› पहले पहचानो–यह वाक्य सिर्फ सूचना दे रहा है; इसमें 'जवाब माँगने' वाली ताकत नहीं है।

› अब 'क्यों' जोड़कर कारण पूछो: बच्चों के काम पर जाने की वजह।

› सवाल को स्पष्ट और प्रभावी बनाओ: 'काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?'

उत्तर – "काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?"

उदाहरण 4. कविता के आधार पर बताइए कि 'बाल श्रम की सामाजिक-आर्थिक विडंबना' का मतलब क्या है और यह कैसे बनती है? 3 बिंदुओं में लिखिए–(सुविधा-वंचना, अवसरों का अभाव, उदासीनता)।

› कविता के अनुसार बताओ कि बच्चे किन चीज़ों से वंचित होते हैं: खेल, शिक्षा, जीवन की उमंग

› सुविधा-वंचना समझाओ: स्कूल/किताबें/खेल जैसी जरूरतें न मिलना

› अवसरों का अभाव समझाओ: पढ़ाई और भविष्य के मौके न मिल पाना

› उदासीनता समझाओ: समाज/व्यवस्था का इसे सामान्य मान लेना, जिम्मेदारी न लेना

उत्तर – बाल श्रम की सामाजिक-आर्थिक विडंबना यह है कि समाज और अर्थव्यवस्था की वजह से कुछ बच्चे बचपन की जरूरी चीज़ों–खेल, शिक्षा और जीवन की उमंग–से वंचित हो जाते हैं। यह विडंबना सुविधा-वंचना (स्कूल/सुविधाओं का न मिलना), अवसरों का अभाव (पढ़ाई के मौके न मिलना) और उदासीनता (दर्द को सामान्य मानकर जिम्मेदारी न लेना) से बनती है।

उदाहरण 5. मान लीजिए आपके शहर में बच्चे रोज़ चाय-नाश्ता की दुकान पर काम करते दिखते हैं। आप लिखना चाहते हैं कि लोगों को यह "अटपटा" क्यों नहीं लगता। बताइए–कम से कम तीन कारण क्या हो सकते हैं और इनका नैतिक संवेदनशीलता पर क्या असर पड़ता है?

› पहला कारण: रोज़ का दृश्य होने से आदत बन जाती है–दिमाग उसे "नॉर्मल" मानने लगता है।

› दूसरा कारण: लोग जिम्मेदारी से दूरी बना लेते हैं–सोचते हैं "ये मजबूरी होगी, हमारा काम नहीं।"

› तीसरा कारण: लगातार देखने से भावनात्मक प्रतिक्रिया घटती है–सुन्नता आ जाती है।

› इन कारणों से नैतिक संवेदनशीलता कम होती है: लोग सिर्फ देख लेते हैं, कदम नहीं उठाते।

उत्तर – लोगों को यह अटपटा इसलिए नहीं लगता क्योंकि (1) रोज़ देखने की आदत से दृश्य सामान्य लगने लगता है, (2) जिम्मेदारी अपने से हटाकर वे 'मजबूरी' कहकर दूर हो जाते हैं, और (3) लगातार दुख देखने से भावनात्मक सुन्नता आ जाती है। असर यह होता है कि लोगों की नैतिक संवेदनशीलता घटती है और वे बदलाव/सहायता के लिए सक्रिय नहीं होते।

उदाहरण 6. कविता के हिसाब से बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को 'विवरण' की तरह नहीं, सवाल की तरह कैसे देखना चाहिए–और उसी सोच से समाधान में क्या शामिल होना चाहिए?

› कविता के संकेत को पकड़ो: "हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह।" यानी सामान्य मानकर नहीं चलना है।

› विवरण की जगह सवाल रखो: "काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?"–कारण और जिम्मेदारी सोचनी होगी।

› हादसा समझो: बच्चे खेल/पढ़ाई/जीवन की उमंग के बजाय काम में धकेले जा रहे हैं–अधिकार छिन रहे हैं।

› समाधान तय करो: बच्चों के लिए खेल, पढ़ाई, सुरक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करना।

उत्तर – बच्चों के काम पर जाने को सामान्य दृश्य नहीं, अधिकार-छिनने वाला हादसा मानना चाहिए; इसलिए 'काम पर क्यों?' का सवाल बनाकर कारण/जिम्मेदारी खोजनी चाहिए और समाधान में बच्चों के लिए खेल, पढ़ाई, सुरक्षा व समान अवसर देना चाहिए।

उदाहरण 7. वाद-विवाद में विषय है: 'वर्तमान युग में सभी बच्चों के लिए खेलकूद और शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हैं।' आप एक पक्ष (असहमति) में 4-5 तर्क तैयार कीजिए, जिनमें संवाद से मिली समझ भी शामिल हो।

› संवाद से एक भाव/अनुभव चुनो: बच्चा अपने काम को मजबूरी की तरह लेता है (उदासी/संकट)।

› दूसरा भाव जोड़ो: उम्र के बच्चों को खेलते/पढ़ते देखकर उसे वंचना का एहसास होता है।

› कारण लिखो: पढ़ाई छूटने और खेलने का समय न मिलने की वजह से 'समान अवसर' पूरा नहीं होता।

› तर्क को विषय से जोड़ो: 'सभी बच्चों' शब्द का अर्थ हर बच्चा होना चाहिए–अगर कुछ बच्चों को अवसर नहीं, तो दावा गलत होगा।

› निष्कर्ष में सुधार की दिशा दो: खेलकूद, शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर सुनिश्चित होने चाहिए।

उत्तर – असहमति पक्ष में तर्क: (1) संवाद में कामकाजी बच्चा अपने काम को मजबूरी से जोड़ता है–इसका मतलब उसे विकल्प नहीं मिल रहा। (2) वह अपनी उम्र के बच्चों को खेलते/पढ़ते देखकर वंचना का भाव महसूस करता/करती है, यानी अवसर असमान हैं। (3) जब पढ़ाई छूटती है और खेलने का समय नहीं मिलता, तो 'खेलकूद और शिक्षा के समान अवसर' 'सभी' के लिए नहीं कहे जा सकते। (4) क्योंकि विषय में 'सभी बच्चे' लिखा है–यदि कुछ बच्चों को शिक्षा और खेल नहीं मिल रहा, तो दावा अधूरा/गलत है। निष्कर्ष: वर्तमान युग में समान अवसर तभी माने जाएंगे जब हर कामकाजी बच्चे को खेलकूद और शिक्षा वास्तव में उपलब्ध हो।

उदाहरण 8. एक परिवार में 13 साल का बच्चा रोज़ सुबह कारखाने में मशीन साफ करता है। बताइए यह संविधान के अनुच्छेद 24 के संकेत के अनुरूप है या नहीं, और कारण लिखिए।

› आयु देखें: बच्चा 13 साल का है (14 से कम)।

› काम का प्रकार देखें: कारखाने में नियोजन हो रहा है।

› अनुच्छेद 24 के संकेत के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे को कारखाने/खान में काम के लिए नहीं लगाया जाना चाहिए।

› निष्कर्ष लिखें: यह नियम के अनुरूप नहीं है; यह बाल श्रम रोकथाम के खिलाफ है।

उत्तर – यह संविधान के अनुच्छेद 24 के संकेत के अनुरूप नहीं है क्योंकि 14 वर्ष से कम आयु (13 वर्ष) के बच्चे को कारखाने में नियोजित नहीं किया जा सकता।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• उत्तर में हर बिंदु के साथ 'संकेत शब्द' जरूर लिखना (जैसे झर-झर, चमकी, छा गए)।
• प्रश्न में 'चित्र उभरता है' लिखा हो तो सिर्फ पंक्ति नहीं–दृश्य और भाव ज़रूर लिखो।
• उत्तर-लेखन में कारण/जवाब मांगने वाले 'क्यों' वाले वाक्य अवश्य जोड़ो।
• 3 बिंदुओं (सुविधा, अवसर, उदासीनता) में उत्तर लिखो–मार्क्स सीधे बढ़ते हैं।
• उत्तर में कारण 3 बिंदुओं में लिखो: आदत, जिम्मेदारी से दूरी, भावनात्मक सुन्नता।
• NCERT परीक्षा में 'हादसा' के कारण और 'समाधान' (खेल/पढ़ाई/बराबरी) लखिना जरूर आता है–दोनों बदि अलग-अलग लिखो।
• वाद-विवाद में 'सभी' शब्द पर फोकस करके 'अनुभव/संवाद' को एक लाइन में जरूर जोड़ना।
• उत्तर लिखते समय '14 वर्ष से कम' और 'कारखाना/खान/परिसंकटमय नियोजन' जरूर लिखो।

एक नज़र में रिवीज़न

› - हवा-छाया-वर्षा-बिजली: संकेत शब्द उठाओ, बदलाव लिखो।
› जगह+समय+बच्चे+भाव = कविता का चित्र
› 'क्यों' जोड़ो–विवरण नहीं, जवाब माँगो।
› - विडंबना = सुविधा-वंचना + अवसर-अभाव + उदासीनता
› - आदत + दूरी + सुन्नता = उदासीनता
› - हादसा = अधिकार छिनना; समाधान = खेल+पढ़ाई+सुरक्षा
› भाव सुनो, तर्क बनाओ; 'सभी बच्चों'–यही कसौटी।
› 14 से कम: कारखाना/खान/खतरनाक काम नहीं–अनुच्छेद 24